शब्दकोशः–

स–सियार, सुअर, समझ, बरसात

श–खरगोश,

12

खरगोश साहब

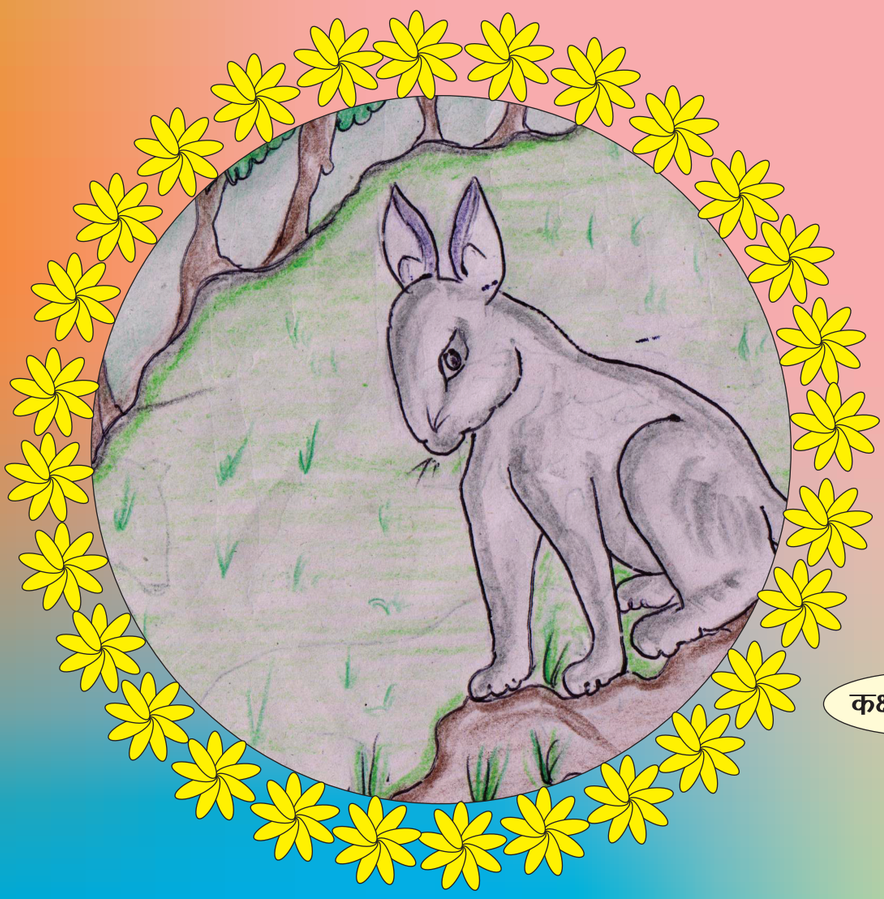

कक्षा–दूसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

जंगल में खरगोश था रहता।
उछल–कूद वह हर पल करता।।

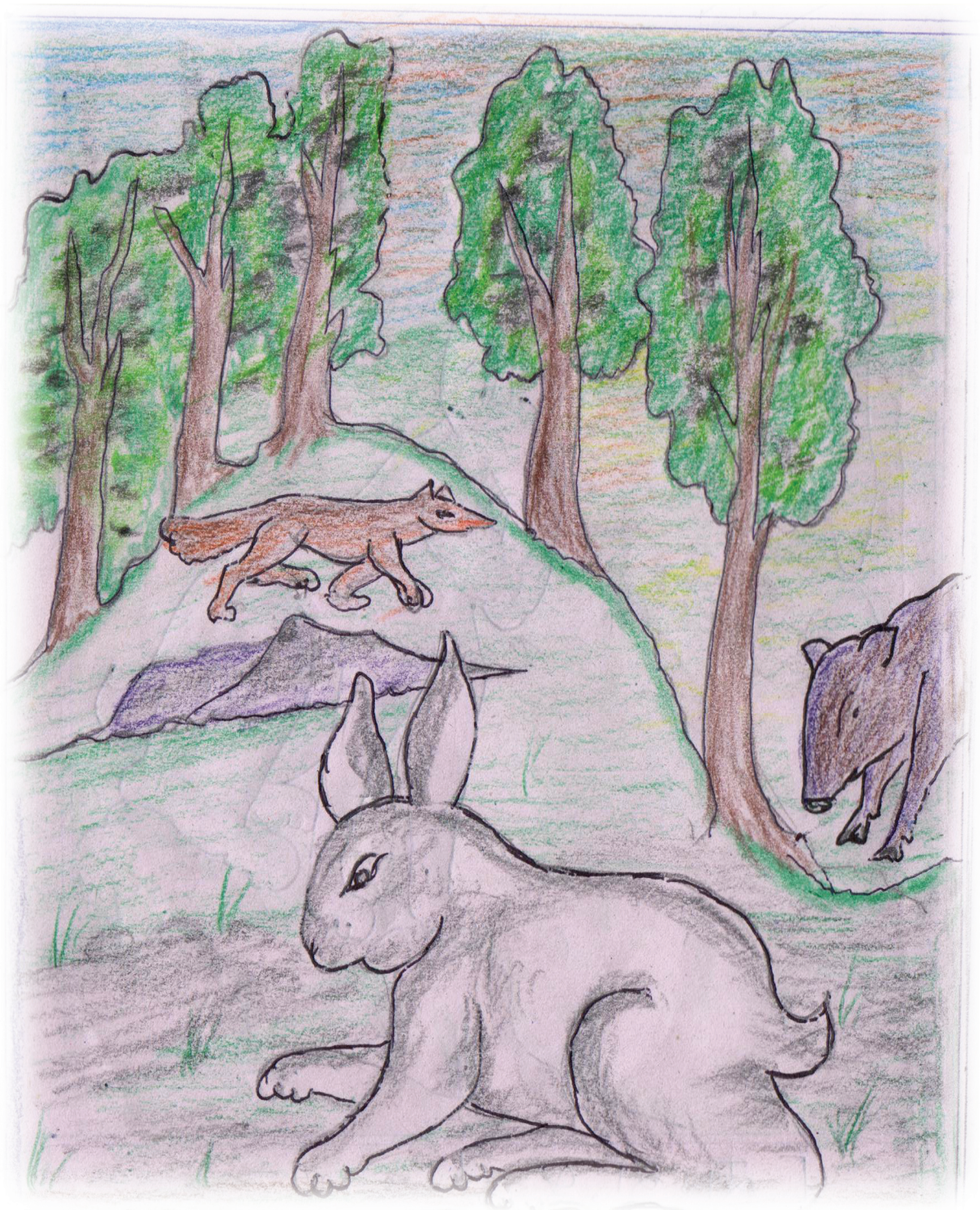

झटपट उसने बिल बनाया।
ओढ़ रजाई गाना गाया।।

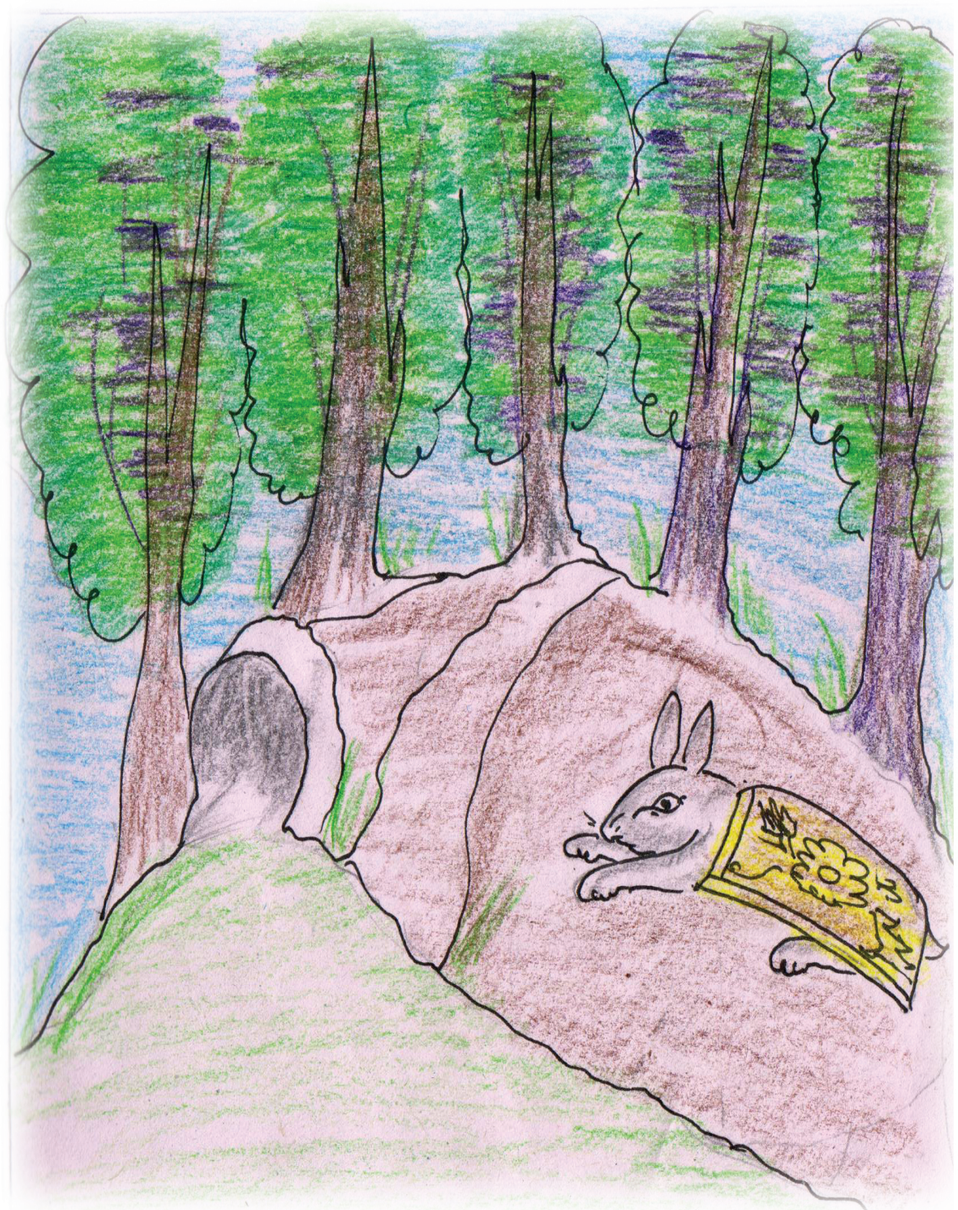

बात ये उसको समझ में आई।
काम ही करने में है भलाई।।

सुअर, सियार जब करते काम।
खरगोश साहब करते आराम।।

एक बार यह बात हुई।
जोरों की बरसात हुई।।

सभी घुसे थे घर के अंदर।
खरगोश काँप रहा था बाहर।।